Edit with WPS Office

M.P.BIRLA FOUNDATION HIGHER SECONDARY SCHOOL

SELECTION EXAMINATION 2020-21

CLASS-X

SUBJECT-HINDI

FULL MARKS:80

WRITING TIME-3hrs.

SECTION-A (40 Marks)

प्रश्न-1.निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर २५० शब्दों में निबंध लिखिए :-- (15)

(i)ऑनलाइन शिक्षा क्या है ?ऑनलाइन शिक्षा के फायदे व नुकसान पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(ii)कल करने वाले काम को आज ही पूरा कर लेने से हमारी कार्यक्षमता बढ़ती है और मानसिक संतोष भी प्राप्त होता है। बताइए कि एक विद्यार्थी के लिए समय का क्या महत्त्व है ?

(iii)प्रदूषण को रोकने का एक अच्छा उपाय वृक्षारोपण है । पर्यावरण में सन्तुलन बनाए रखने में वृक्षों के योगदान के विषय में लिखिए ।

(iv)निम्नलिखित उक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए :

'जैसी करनी वैसी भरनी।'

(v)नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख,घटना अथवा कहानी लिखिए ,जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से हो।

Edit with WPS Office

प्रश्न-2.निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :--- (7)

(i)पहली बार अपने विद्यालय में पुरस्कार प्राप्त करने पर अपना अनुभव बताते हुए अपनी माता जी को पत्र लिखिए ।

(ii)स्थानीय समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए ,जिसमें बार-बार बिजली फेल हो जाने के कारण आपको और आपके परिवार को होने वाली कठिनाइयों का वर्णन किया गया हो ।

प्रश्न-3-निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :--

बिठोबा के आनंद का ठिकाना न था । वह एक हरिजन बालक था । बापू ने हरिजन-उद्धार के लिए अनशन रखा हुआ था । उन्होंने बालक के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा----बिठोबा मैं तुम्हारे लाए संतरे से ही अनशन तोड़ूँगा ।

बिठोबा एक-एक पैसा जोड़ने लगा। किसी का बोझा उठा देता, किसी के यहाँ झाड़ू लगा देता और कभी किसी का कूड़ा बस्ती से दूर फेंक आता । वह इतने पैसे जोड़ना चाहता था कि दो-चार अच्छे संतरे खरीद सके, पर उसकी समस्या हल नहीं हो रही थी । कभी तो उसे आधा पैसा मिल जाता लेकिन अधिकांश लोग उसे बासी रोटी या फटा-पुराना कपड़ा देकर ही काम करवा लेते थे ।

बापू का अनशन टूटने का दिन भी आ गया । उन्होंने बिठोबा से कहा---कल संतरे लेकर अवश्य आना, मैं तेरे संतरे से ही अनशन तोड़ूँगा । बिठोबा आनंदमग्न सभी से कहता---कल बापू मेरे संतरे से अपना अनशन तोड़ेंगे । लोग उसे सनकी समझते । वे हँसते हुए कहते---यह सौभाग्य तो बड़े-बड़ों को भी दुर्लभ है, तुम किस गिनती में हो! टोकरे के टोकरे संतरे आ रहे हैं । बिठोबा सोच में पड़ गया पर संतरे तो खरीदने ही थे । उसे एक दुकान पर बड़े-बड़े और ताज़े संतरे दिखे । उसने भाव पूछा तो दंग रह गया । बोला---ये तो बहुत महँगे हैं । मेरे पास तो चार ही आने हैं । मुझे चार संतरे तो चाहिए ही, तभी तो एक गिलास रस निकलेगा । एक संतरेवाले ने सड़े-गले संतरे दिखाकर कहा---ये ले लो । तूने ही तो खाने हैं ना !बिठोबा की आँखें भर आईं। वह अपनी निर्धनता को कोस रहा था । एक फलवाले को उस पर दया आ गई । उसने चार आने में चार छोटे-छोटे संतरे उसके हाथ में थमा दिए । बिठोबा संतरे लेकर दौड़ पड़ा ।

बापू के अनशन तोड़ने का समय हो चुका था । सब बापू की जीवन-रक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे थे । ताज़ा रस निकाला जा रहा था पर बापू राम धुन गाते हुए भी बिठोबा की प्रतीक्षा में आँखें बिछाए थे । तभी दौड़ता हुआ बिठोबा आया । पर कोई उसे भीतर जाने दे तो । बापू ने पूछा---बिठोबा नहीं आया ? खोज होने लगी । किसी ने पुकारा--बिठोबा ! " जी हाँ, " कहते-कहते उसका गला रुँध गया । " अरे, जल्दी भीतर चलो, बापू तुम्हें बुला रहे हैं । वे तेरे लाए संतरों की बाट देख रहे हैं । " उसने संतरे बापू के हाथ में दे दिए । बापू ने बिठोबा के सिर पर हाथ फेरते हुए उन्हीं संतरों का रस पीकर अनशन तोड़ा ।

(i)बिठोबा कौन था ? उसे बापू ने क्या कहा था ? (2)

(ii)बिठोबा को संतरे खरीदने के लिए पैसे इकट्ठे करने में क्या कठिनाई आई ? (2)

(iii)लोग बिठोबा को सनकी क्यों समझते थे और वे उसके बारे में क्या सोचते थे ? (2)

(iv)बिठोबा ने कितने पैसे इकट्ठे किए और उनसे किस तरह,कितने संतरे खरीदे ? (2)

(v)बिठोबा पहले बापू के पास क्यों न पहुँच सका ? फिर वह कैसे बापू के पास भेजा गया ? (2)

Edit with WPS Office

प्रश्न-4.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :---

(i)निम्नलिखित शब्द के दो पर्यायवाची रूप लिखिए :--- (1)

श्वेत ।

(ii)निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक रूप लिखिए :--- (1)

नश्वर,पूर्व ।

(iii)निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए :--- (1)

वीर,नारी ।

(iv)निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :--- (1)

साशन,मरयादा ।

(v)निम्नलिखित मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए :--- (1)

फूला न समाना ।

(vi)निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए :---

a)उसके पिता कार्यालय में <u>बिना वेतन के</u> काम करते हैं । (1)

(रेखांकित का एक शब्द लिखते हुए वाक्य पुनः लिखिए)

b)लड़की कविता पढ़ रही है । (1)

(वचन बदलिए)

c)फ़िल्म की नायिका अच्छी नर्तकी भी है । (1)

(वाक्य को पुल्लिंग में बदलिए)

<u>SECTION-B(40 Marks)</u>

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रत्येक भाग से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है ।

<u>साहित्य सागर -गद्य</u>

प्रश्न-5.वाह भई ! क्या आइडिया है । मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती, लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है ।

(i)कस्बे से गुजरते समय हालदार साहब को क्या आदत पड़ गई थी ? (2)

Edit with WPS Office

(ii)मूर्ति में किस चीज की कसर खटकती थी ? (2)

(iii)कैप्टन कौन था ? वह मूर्ति के चश्मे को बार-बार क्यों बदल दिया करता था ? (3)

(iv)'नेताजी का चश्मा' पाठ के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश दिया है ? (3)

प्रश्न-6."हाथी मरा भी तो नौ लाख का । वहाँ इतना घी तो नित्य नाई-कहार खा जाते हैं ।"

(i)लालबिहारी सिंह का संक्षिप्त परिचय दीजिए । (2)

(ii)श्रीकंठ सिंह के क्रोधित होने का क्या कारण था ? (2)

(iii)आनंदी के मायके एवं ससुराल में क्या अंतर था ? (3)

(iv)आनंदी ने परिवार को टूटने से कैसे बचाया ? (3)

प्रश्न-7.ज्यों-ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ों का उल्लास बढ़ता जाता । ज्यों-ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ियों का दिल बैठता जाता ।

(i)भेड़ें वन-प्रदेश में प्रजातंत्र की स्थापना क्यों करना चाहती थीं ? (2)

(ii)भेड़िये को क्यों लगा कि उनका संकटकाल आ गया है ? (2)

(iii)बूढ़े सियार ने भेड़िये को किन तीन बातों का ख्याल रखने के लिए कहा ? (3)

(iv)तीनों सियारों का परिचय देते हुए बताइए कि बूढ़ा सियार उन्हें भेड़िये के पास लेकर क्यों आया था ? (3)

साहित्य सागर-पद्य

प्रश्न-8.क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी,

'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की ।'

बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके ।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।

(i)प्रस्तुत कविता में मेघ की कल्पना किस रूप में की गई है ? (2)

(ii)जुहार ,अश्रु ,ताल तथा दामिनी शब्दों के अर्थ लिखिए । (2)

Edit with WPS Office

(iii)मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए ? (3)

(iv)'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की ' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए । (3)

प्रश्न-9.जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावन मुनि ज्ञानी ।

सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी ।।

जो सम्पत्ति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्ही ।

सो सम्पदा-विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्ही ।।

(i)प्रस्तुत कविता में किसे उदार कहा गया है और क्यों ? (2)

(ii)विराग ,सरिस ,अंजन तथा तज्यो का अर्थ लिखिए । (2)

(iii)गीध और सबरी कौन थे ? भगवान राम ने उनका उद्धार किस प्रकार किया ? (3)

(iv)प्रह्लाद, विभीषण एवं बलि ने किन-किन का त्याग किया था और क्यों ? (3)

प्रश्न-10.मैं पूर्णता की खोज में

दर-दर भटकता ही रहा

प्रत्येक पग पर कुछ-न-कुछ

रोड़ा अटकता ही रहा

पर हो निराशा क्यों मुझे ? जीवन इसी का नाम है ।

चलना हमारा काम है ।

(i)कवि कब तक रुकना नहीं चाहते ? (2)

(ii)कवि ने दर-दर भटकने का क्या कारण बताया है ? (2)

(iii)'जीवन इसी का नाम है' से क्या तात्पर्य है ? (3)

(iv)प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि ने पाठकों को क्या संदेश दिया है ? (3)

.....